डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय,
फैजाबाद (उ०प्र०)

एम०ए० द्वितीय वर्ष साहित्य (हिन्दी : सामान्य)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

शैक्षणिक वर्ष : 2018-19 तथा उससे आगे)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की 'मॉडल पाठ्यचर्या' के आलोक में किया गया है।)

समय : 03 घण्टा

पूर्णांक : 100

उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना।
- छात्रों में हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रति अभिरूचि संवर्धित करना।
- छात्रों में मौखिक एवं लिखित कौशल को विकसित करना।
- छात्रों में हिन्दी भाषा के श्रवण एवं लेखन की क्षमताओं का विकास करना।
- छात्रों को मानक लिपि एवं अंतर्राष्ट्रीय आँकड़ों तथा गणितीय चिह्नों से परिचित कराना।
- छात्रों को पत्राचार के विविध प्रकारों की जानकारी देना।
- छात्रों में अन्य भाषाओं से हिन्दी भाषा में अनुवाद की क्षमता विकसित करना।
- छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से प्रयोजनमूलक हिन्दी से परिचित कराना।
- छात्रों को विज्ञापन तंत्र से परिचित कराकर विज्ञापन के व्यावहारिक ज्ञान को वृद्धिंगत करना।
- छात्रों में कल्पना-विस्तार की शक्ति विकसित करना तथा संक्षेपण/सार-लेखन कौशल को विकसित करना।
- छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।

एम० ए० हिन्दी (प्रयोजनमूलक) 2018-19 एवं उससे आगे...

पाठ्यक्रम विवरण - 100 अंक

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र : प्रयोजन मूलक हिन्दी का स्वरूप एवं विकास

1- राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
2- हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
3. अहिन्दी भाषी राज्यों में हिन्दी की स्थिति।
4. हिन्दी के विविध रूप - सर्जनात्मक, भाषा संचार, राजभाषा सम्पर्कभाषा।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य: कार्यालयी एवं व्यावसायिक पत्राचार, टिप्पणी, आलेखन, प्रारूपण, संक्षेपण।

द्वितीय प्रश्नपत्र : जनसम्पर्क और संचार

1. संचार : परिभाषा, घटक, प्रक्रिया।
2. परंपरागत (वार्ता कथा मेला लोक गीत, लोकनाट्य लोक कलाएं मूर्तिकला वास्तुकला, पशु-पक्षी)
3. माध्यम लेखन एवं साहित्यिक लेखन में अंतर।
4. आकाशवाणी से सम्बद्ध हिन्दी लेखन - वार्ता, रिपोर्ताज, फीचर, परिचर्चा, रेडियोनाटक, विज्ञापन
5. दूरदर्शन से सम्बद्ध हिन्दी लेखन - दूरदर्शन हेतु नाट्य रूपान्तरण एवं पटकथा लेखन, विज्ञापन, साक्षात्कार।
6. उद्घोषणा, संचालन एवं कमेंट्री कला।

तृतीय प्रश्न पत्र : रंगमंच विज्ञान

1. भारतीय रंगमंच का इतिहास, रंगमंच के प्रकार (भारतीय एवं पाश्चात्य) रंगमंच के तत्व)।
2. नाटक के तत्व और प्रकार, लोकमंच और आधुनिक मंच में अन्तर, लोकमंच का स्वरूप, दृश्य सज्जा के प्रकार, ध्वनि व्यवस्था एवं उसके प्रमुख उपकरणों का सामान्य परिचय।
3. अभिनय की परिभाषा, अभिनय के विभिन्न प्रकार, पाश्चात्य अभिनय के यथार्थवादी अभिनय, महाकाव्यात्मक अभिनय पद्धति, रूपसज्जा, वेशभूषा, प्रकार एवं विशेषताएँ।
4. रंगमंच नाटक का लेखन (सर्जनात्मक पक्ष)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : प्रायोगिक कार्य

- इसके अन्तर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न से संबंधित एक परियोजना प्रस्तुत की जायेगी।

द्वितीय सेमेस्टर

पंचम प्रश्नपत्र : अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त एवं प्रविधि 100 अंक

1. अनुवाद - स्वरूप - प्रकार (साहित्यानुवाद एवं मशीनी अनुवाद), महत्व और सीमाएं।
2. अनुवाद प्रविधि एवं समस्यायें।
3. अनुवाद के गुण एवं साधन।
4. पारिभाषिक शब्दावली - अवधारणा, सिद्धान्त, समस्यायें। विभिन्न संप्रदाय एवं निर्माण संबंधी कार्य, रेल, पुलिस, बैंक, बीमा संबंधी पारिभाषिक शब्दावली।
5. दुभाषिया प्रविधि, अवधारणा एवं स्वरूप आशु-अनुवाद की विशिष्टताएं, महत्व, दुभाषिए के गुण एवं महत्व।
6. वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली का स्वरूप एवं विकास रेलवे, बैंकिंग, बीमा के विशेष सन्दर्भ में।

षष्ठ प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा की प्रकृति एवं संरचना

1. हिन्दी भाषा की प्रकृति तथा भारतीय संस्कृति।
2. हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास।
3. देवनागरी लिपि का वैशिष्ट्य, सीमाएं, मानक रूप।
4. हिन्दी वर्णमाला का वर्गीकरण - विवरण।
5. शब्द वर्ग और रूप व्यवस्था, रूप - स्वनिर्मित व्यवस्था, कारकीय व्यवस्था, विभक्ति परसर्ग।
6. हिन्दी का वाक्य विकास, पदबंध संरचना, उपवाक्य संरचना, वाच्य विधान।
7. हिन्दी की आर्थी संरचना (कोशीय और व्याकरणिक अर्थ) अर्थ बनाम प्रतीक।

सप्तम प्रश्नपत्र : भाषा दक्षता

1- इंग्लिश / बांग्ला / तमिल / मराठी

उपर्युक्त षष्ठ प्रश्नपत्र के अनुसार एक चयनित भाषा का अध्ययन किया जायेगा।

अष्टम प्रश्नपत्र : प्रायोगिक कार्य

1. इसके अन्तर्गत पंचम / षष्ठ / सप्तम प्रश्नपत्र के आधार पर चयनित भाषा के दस अनुच्छेद, दो 250 शब्दों की कहानी एवं पाँच कार्यालयी पत्रों का अनुवाद अंग्रेजी से तथा अंग्रेजी से उपर्युक्त चयनित भाषा में किया जायेगा।

तृतीय सेमेस्टर

नवम प्रश्नपत्र : समाचार : संरचना एवं प्रस्तुति 100 अंक

1. समाचार की संकल्पना, प्रकृति, प्रकार और महत्व।
2. समाचार के स्रोत, चयन प्रक्रिया एवं क्षरण के कारण।
3. समाचार लेखन - समाचार लेखन का आधारभूत ढाँचा, शीर्षक, मूलोल्लेख आमुख, विवरण, निष्कर्ष।
4. शीर्षक के उद्देश्य, गुण संरचना (प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यम के सन्दर्भ)
5. समाचार कक्ष का स्वरूप, गठन, कार्यप्रणाली।
6. संवाददाता के गुण एवं कर्तव्य।
7. समाचार एवं विभिन्न माध्यम - समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो, टी० वी०।

दशम प्रश्नपत्र : सम्पादन प्रक्रिया के विविध आयाम

1. सम्पादन की परिभाषा, संकल्पना, उद्देश्य तथा आधारभूत तत्व।
2. सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि।
3. समाचार पत्र के विविध स्तम्भों की योजना तथा सम्पादन।
4. साहित्यिक पत्र - पत्रिका के सम्पादन की योजना।
5. दृश्य - श्रव्य सामग्री के सम्पादन की योजना।
6. मुद्रण - प्रकाशन की प्रयोजनीय शब्दावली।

एकादश प्रश्नपत्र : प्रेस कानून और पत्रकारिता।

1. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार।
2. वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता तथा प्रेस - प्रसार भारती विधेयक
3. प्रेस आयोग - स्थापना के उद्देश्य संस्तुतियां एवं कार्यवाही, प्रथम और द्वितीय प्रेस आयोग
4. भारतीय प्रेस परिषद : संरचना, आर्दशमय भूमिका तथा महत्व।

5. मानहानि प्रावधान, न्यायालय की अवमानना, संसदीय विशेषाधिकार, प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण अधिनियम 1867, शासकीय गुप्तबात-1923, प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम-1957, मानवाधिकार आयोग एवं उनके कार्य।

6. श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार पत्र कर्मचारियों की स्थिति तथा सेवा से सम्बंधित कानून और आचार संहिता।

4th sem. द्वादश प्रश्नपत्र : ~~प्रायोगिक कार्य~~ 100 अंक

इसके अन्तर्गत छात्रों को एक समाचार का निर्माण करना होगा।

~~4th sem.~~ त्रयोदश प्रश्नपत्र : हिन्दी पत्रकारिता का विकास 100 अंक

1. हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप।
2. हिन्दी पत्रकारिता के प्रारंभिक चरण (1826-1867), भारतेन्दु युग (1867-1900), द्विवेदी युगीन पत्रकारिता (सन् 1900 से 1920)
3. प्रमुख प्रवृतियाँ, भाषायी अभिलक्षण, छायावाद और छायावादोत्तर हिन्दी पत्रकारिता (सन् 1920-1947) प्रमुख प्रवृत्तियाँ और अंग्रेजी माध्यमों का प्रभाव।
4. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता, प्रवृतियां और प्रतिमान।
5. विशिष्ट हिन्दी पत्रकार — पं० युगल किशोर भारतेन्दु, बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालमुकुन्द गुप्त, विष्णु प्रभाकर, अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, निराला, प्रेमचन्द आदि।

चतुर्दश प्रश्न पत्र : हिन्दी कम्प्यूटिंग 100 अंक

1. कम्प्यूटर : परिचय
   - महत्व
   - रूपरेखा
   - कम्प्यूटर का विकास (हिन्दी कम्प्यूटर के विशेष सन्दर्भ में)
2. कम्प्यूटर भाषा
3. मल्टीमीडिया (सामान्य परिचय)
4. इन्टरनेट का स्वरूप, उपकरण एवं कार्य प्रणाली (डाउनलोडिंग व अपलोडिंग)
5. ई-मेल-परिचय एवं प्रक्रिया।

6. हिन्दी प्रमुख साफ्टवेयर, पोर्टल एवं फॉण्ट।
7. वेब पब्लिशिंग।
8. एम० एस० आफिस (पावर प्वाइन्ट, वर्ड, एक्सेल, एक्सेस - कार्य प्रणाली)
9. ई० लर्निंग, ई-गवर्नेंस।

पंचदश प्रश्न पत्र : विज्ञापन व्यवसाय और प्रयोजन मूलक हिन्दी

1. विज्ञापन : अर्थ परिभाषा, उद्देश्य तत्व उपयोगिता एवं महत्व।
2. विज्ञापन : कार्य, प्रयोजन तथा प्रकार, सिद्धान्त मनोवैज्ञानिक भूमि, सर्वमानिक सन्दर्भ।
3. विज्ञापन माध्यम वर्गीकरण चयन के आधारभूत तत्व, संचार और सम्प्रेषण।
4. उपभोक्ता का वर्गीकरण और अधिकार।
5. विज्ञापन व्यवसाय का पृष्ठभूमि भारतीय परिवेश में विज्ञापन भारत में विज्ञापन संस्थान : व्यवस्थापन और कार्य।

- [redacted] - फील्ड वर्क, प्रायोगिक एवं मौखिकी

नोट: इस प्रश्न पत्र में 50 अंक की प्रायोगिक एवं 50 अंक की मौखिकी परीक्षा होगी। प्रायोगिक कार्य के अन्तर्गत छात्रों को एक पावर पाइंट प्रजेन्टेशन एवं पाँच विज्ञापन बनाने होंगे।

1 - सरकारी संस्थानों सचिवालय / मंत्रालय में हिन्दी की प्रयोजनमूलकता / आवश्यकता और वर्तमान स्थिति का सर्वेक्षण।

2 - रेलवे, बैंक, लेखा परीक्षा, न्यायालय आदि में हिन्दी की प्रयोजनमूलकता की स्थिति का सर्वेक्षण।

3 - रिपोर्ट तैयार करके विश्वविद्यालय तथा शासन और गृह मंत्रालय की राष्ट्रभाषा अनुभाग को प्रेषण और जनमत तैयार करने के लिए जनसम्पर्क।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद

परिसर हेतु विस्तृत पाठ्यक्रम

एम०ए० पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य)

पाठ्यक्रम सत्र (सेमेस्टर पद्धति) दो वर्ष

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की रचना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की 'मॉडल पाठ्यचर्या' के आलोक में की गयी है।

1. एम०ए० पूर्वार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य) सत्र 2018-19 से प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर
2. एम०ए० उत्तरार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य) सत्र 2019-20से तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर

परीक्षा योजना :

1. प्रत्येक सेमेस्टर का प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।
2. प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में प्रत्येक प्रश्नपत्र की परीक्षा लिखित एवं आन्तरिक मूल्यांकन (सेशनल) आधार पर होगी। लिखित परीक्षा केवल तीन घण्टे की होगी और इसका पूर्णांक 70 होगा। प्रत्येक सेशनल 30 अंक का होगा।

एम०ए० पूर्वार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य) सत्र २०१८-१९ से

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र का नाम	आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
प्रथम	मध्य कालीन काव्य - भक्ति काव्य	30	70	100
द्वितीय	आधुनिक गद्य-कहानी एवं उपन्यास	30	70	100
तृतीय	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त	30	70	100
चतुर्थ	हिन्दी साहित्य का इतिहास -आदिकाल से रीतिकाल तक	30	70	100

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र का नाम	आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
प्रथम	मध्य कालीन काव्य - रीतिकाल	30	70	100
द्वितीय	आधुनिक गद्य-निबन्ध एवं नाटक	30	70	100
तृतीय	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	30	70	100
चतुर्थ	हिन्दी साहित्य का इतिहास - आधुनिक काल	30	70	100

एम०ए० उत्तरार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य) सत्र २०१९-२० से

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र का नाम	आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
प्रथम	आधुनिक काव्य - छायावाद ।।	30	70	100
द्वितीय	भाषा विज्ञान ।।	30	70	100
तृतीय	भारतीय साहित्य ।।	30	70	100
चतुर्थ	कविता, कहानी, नुक्कड़ नाटक-लोक (गाँव-गाँव) से परिचित कराना	30 प्रायोगिक (फील्ड वर्क)	मौखिकी 70	100

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र का नाम	आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
प्रथम	आधुनिक काव्य - छायावादोत्तर काव्य ।।	30	70	100
द्वितीय	हिन्दी भाषा का विकास देवनागरी लिपि की त्रुटियां एवं वैज्ञानिकता	30	70	100
तृतीय	विशेष अध्ययन : कोई - 1 कवि (स्व रुचि के अनुसार) 1. तुलसीदास : रामचरितमानस 2. जयशंकर प्रसाद (कामायनी, आँसू, लहर और चन्द्रगुप्त)	30	70	100
चतुर्थ	मौखिकी			100

एम0ए0 प्रथम वर्ष– हिन्दी (भाषा और साहित्य)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र

मध्यकालीन काव्य– भक्ति काव्य

सत्र 2018–19 की परीक्षा और उसके आगे..... पूर्णांक –70, समय : 03 घण्टे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन–

नोट– प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड (क) व्याख्या: पाँच अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। अधिकतम 200 शब्दों में उत्तर दीजिए।

तीन 24 अंक (3 X 8)

खण्ड (ख) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)

पाँच प्रश्नों में से तीन प्रश्न करनी अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। अधिकतम 500 शब्दों में उत्तर दीजिए।

तीन 36 अंक (3 X 12)

खण्ड (ग) अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

15 (पन्द्रह) प्रश्नों में से 10 (दस) प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

दस 10 अंक (1 X 10)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई–

कबीरदास

कबीर ग्रन्थावली (सम्पादक श्यामसुन्दर दास) के विविध अंगों से 30 साखियाँ एवं 15 पद।
(कबीर काव्य विभा में संकलित)

अध्ययनार्थ विषयः

1. साखी एवं पद की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या।
2. कबीरदास का जीवनवृत्त एवं कृतित्व।
3. कबीर की धार्मिक विचार।
4. कबीरदास का समाज–दर्शन।
5. कबीरदास की भाषा
6. कबीरदास का प्रेमतत्त्व और विरह–भावना।
7. कबीरदास का रहस्यवाद।
8. कबीरदास के दार्शनिक विचार।
9. कबीरदास की भक्ति–भावना।
10. कबीरदास की काव्य–कला।

पाठ्यपुस्तक – कबीर काव्यविभा

सम्पादकः 1. प्रो0 हरिशंकर मिश्र, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
2. डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार शुक्ल, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी0 जी0 कॉलेज, बभनान, गोण्डा।

द्वितीय इकाई –

मलिक मुहम्मद जायसी

पद्मावत (सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) से स्तुति खण्ड और नखशिख खण्ड

अध्ययनार्थ विषयः

1. **सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या**
2. **जायसी का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व**
3. **पद्मावत में प्रेम–भाव**
4. **पद्मावत में सौन्दर्य–वर्णन**
5. **पद्मावत में प्रकृति–चित्रण**
6. **जायसी की काव्य–कला**
7. **पद्मावत की भाषा तथा अलंकार योजना**
8. **पद्मावत में सूफी मत**
9. **पद्मावत का महाकाव्यत्व या प्रबन्ध कौशल**

पाठ्य पुस्तक : पद्मावत–पराग

सम्पादक – 1. **डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, हेमवती नन्दन बहुगुणा महाविद्यालय, लालगंज, प्रतापगढ़।**
2. **डॉ0 श्रवण कुमार गुप्ता,** आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी0 जी0 कॉलेज, बभनान, गोण्डा।

तृतीय इकाई –

सूरदास

सूरसागर से 40 पद (सूर संचयन में संकलित)

अध्ययनार्थ विषय–

1. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या
2. सूरदास का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व
3. सूरदास की भक्ति–भावना
4. सूरदास के दार्शनिक विचार
5. सूरदास का वात्सल्य वर्णन
6. सूरदास का शृंगार वर्णन
7. सूरदास की काव्य कला
8. सूरदास का प्रकृति चित्रण
9. सूरदास का भ्रमरगीत

पाठ्य पुस्तक : सूर संचयन,

सम्पादकः डॉ0 प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव किसान पी0 जी0 कॉलेज, बभनान, गोण्डा।

चतुर्थ इकाई –

तुलसीदास

विनयपत्रिका (गीताप्रेस, गोरखपुर) से 40 पद (विनय पदावली में संकलित)

अध्ययनार्थ विषयः

1. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या
2. तुलसीदास का जीवन वृत्त एवं कृतित्त्व
3. तुलसीदास की भक्ति–भावना
4. विनय पत्रिका का वर्ण्य–विषय
5. विनय पत्रिका का प्रयोजन
6. विनय पत्रिका में गीत–तत्त्व
7. तुलसीदास का लोकनायकत्त्व
8. तुलसीदास की समन्वय भावना
9. तुलसीदास के दार्शनिक विचार

पाठ्य पुस्तक : विनय पदावली

सम्पादकः
1. डॉ0 कामता कमलेश, पूर्व अध्यक्ष हिन्दी विभाग, जे0 एस0 हिन्दू कॉलेज, अमरोहा, उ0प्र0।
2. प्रो0 सुधाकर सिंह, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ0प्र0।

पंचम इकाई :–

केशवदास

रामचन्द्रिका – मंगलाचरण से आरम्भिक 20 पद
रसिक प्रिया – आरम्भ के 10 पद

अध्ययनार्थ विषय:

1. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या
2. आचार्य केशवदास का जीवन–वृत्त एवं कृतित्त्व
3. आचार्य केशवदास की भक्ति –भावना
4. आचार्य केशवदास की संवाद–योजना
5. आचार्य केशवदास की भाषा
6. आचार्य केशवदास की काव्य–कला
7. आचार्य केशवदास की अलंकार–योजना

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. भक्तिकाल की भूमिका– डॉ0 प्रेमशंकर
2. कबीर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. कबीर मीमांसा– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
4. पद्मावत – डॉ0 वसुदेव शरण शुक्ल
5. पद्मावत (भूमिका) – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
6. सूरदास– डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
7. सूर काव्य मीमांसा– डॉ0 हौंसिला प्रसाद मिश्र
8. तुलसी काव्य मीमांसा– डॉ0 उदयभान सिंह
9. तुलसी और उनका युग– डॉ0 राजपति दीक्षित
10. तुलसीदास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
11. त्रिवेणी– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
12. बिहारी– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
13. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन
14. हिन्दी काव्य में शृंगार परम्परा एवं बिहारी
15. केशव की काव्य साधना– डॉ0 विजयपाल सिंह

एम0ए0 प्रथम वर्ष– हिन्दी (भाषा और साहित्य)

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र

आधुनिक गद्य– कहानी एवं उपन्यास

सत्र 2018–19 की परीक्षा और उसके आगे .... पूर्णांक –70, समय : 03 घण्टे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन–

नोट– प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड (क) व्याख्याः छः अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। अधिकतम 200 शब्दों में उत्तर दीजिए।

तीन 24 अंक (3 X 8)

खण्ड (ख) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। अधिकतम 500 शब्दों में उत्तर दीजिए।

तीन 36 अंक (3 X 12)

खण्ड (ग) अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

15 (पन्द्रह) प्रश्नों में से 10 (दस) प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

दस 10 अंक (1 X 10)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई– कहानी

संकलित कहानीकार	कहानी
1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद	आकाशदीप
3. प्रेमचन्द	कफ़न
4. राजेन्द्र यादव	बिरादरी बाहर
5. निर्मल वर्मा	बीच बहस में
6. ऊषा प्रियम्वदा	वापसी
7. उदय प्रकाश	तिरिछ

अध्ययनार्थ विषय:

1. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या
2. हिन्दी कहानी– रूप, स्वरूप और विकास यात्रा
3. संकलित कहानीकारों का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व
4. संकलित कहानियों की विशेषताएं
5. कहानी कला के तत्त्वों के आधार पर संकलित कहानियों की समीक्षा
6. संकलित कहानीकारों के कहानी कला की विशेषताएं
7. संकलित कहानियों के पात्रों का चरित्र–चित्रण

पाठ्यपुस्तक का नाम : कथामणि

सम्पादक: 1. प्रो0 सदानन्द शाही, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ0प्र0।

2. डॉ0 परेश कुमार पाण्डेय, हिन्दी विभाग, का0 सु0 साकेत महाविद्यालय, अयोध्या, फैज़ाबाद।

द्वितीय इकाई– उपन्यास गोदान (प्रेमचन्द)

अध्ययनार्थ विषय:

1. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या
2. हिन्दी उपन्यास का विकास क्रम
3. प्रेमचन्द का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व
4. उपन्यास कला के तत्त्वों के आधार पर गोदान की समीक्षा
5. गोदान में आदर्श और यथार्थ
6. गोदान शीर्षक की सार्थकता
7. गोदान की समस्याएं एवं उद्देश्य
8. गोदान का शिल्प वैशिष्ट्य
9. गोदान के पात्रों का चरित्र–चित्रण
10. गोदान महाकाव्यात्मक उपन्यास के रूप में

तृतीय इकाई– **उपन्यास** **शेखरः एक जीवनी –प्रथम भाग**

(सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय')

अध्ययनार्थ विषयः

1. सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या
2. अज्ञेय का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व
3. उपन्यास कला के तत्त्वों के आधार पर 'शेखरः एक जीवनी –प्रथम भाग' की समीक्षा
4. 'शेखरः एक जीवनी' का शिल्प वैशिष्ट्य
5. 'शेखरः एक जीवनी' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास के रूप में
6. 'शेखरः एक जीवनी' उपन्यास का उद्देश्य
7. 'शेखरः एक जीवनी' के पात्रों का चरित्र–चित्रण

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. हिन्दी कहानी रचना एवं प्रक्रिया– डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
2. हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास– डॉ0 सुरेश सिन्हा
3. हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन–डॉ0 ब्रह्मदेव शर्मा
4. हिन्दी कहानियों का शिल्प विधि का विकास– डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल
5. प्रेमचन्द एवं उनका युग– डॉ0 राम विलास शर्मा
6. हिन्दी उपन्यास– डॉ0 शिवनरायण श्रीवास्तव
7. गोदान एक पुनर्विचार– सम्पादक : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
8. हिन्दी उपन्यास एवं यथार्थवाद– डॉ0 त्रिभुवन सिंह
9. अज्ञेय– सम्पादक डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
10. अज्ञेय एवं आधुनिक रचना की समस्या– डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी
11. अज्ञेय, व्यक्तित्त्व और विकास– डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा
12. हिन्दी के साहित्य निर्माता, अज्ञेय – प्रभाकर माचवे

एम0ए0 प्रथम वर्ष– हिन्दी (भाषा और साहित्य)

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र

भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त

सत्र 2018–19 की परीक्षा और उसके आगे..... पूर्णांक –70, समय : 03 घण्टे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन–

नोट– प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड (क) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)– छः प्रश्नों में से तीन की सन्दर्भ प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। अधिकतम 500 शब्दों में उत्तर दीजिए।

तीन 36 अंक (3 X 12)

खण्ड (ख) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)

सात प्रश्नों में से चार प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। अधिकतम 200 शब्दों में उत्तर दीजिए।

चार 24 अंक (4 X 6)

खण्ड (ग) अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

15 (पन्द्रह) प्रश्नों में से 10 (दस) प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

दस 10 अंक (1 X 10)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई– **काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार**

द्वितीय इकाई–1.रस सिद्धान्तः रस का स्वरूप, रस के अवयव(अंग), रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

2. अलंकार सिद्धान्तः मूल स्थापनाएं, अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, अलंकार की परिभाषा, अलंकार विषयक आचार्यों के मतों का विवेचन, अलंकार सिद्धान्त का स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार एवं रस, काव्य में अलंकार का महत्त्व

तृतीय इकाई– 1. रीति सिद्धान्तः रीति शब्द की व्युत्पत्ति, रीति की परिभाषा, रीति के विविध पर्याय, रीति–भेद के आधार, रीति–भेद, रीति और गुण, रीति और शैली, काव्य गुण, काव्य दोष

2. ध्वनि सिद्धान्तः ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, ध्वनि की परिभाषा, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि के भेद (अविधा मूला, लक्षणा मूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्यध्वनि, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्यध्वनि), ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद, ध्वनि सिद्धान्त का महत्त्व

चतुर्थ इकाई– 1.वक्रोक्ति सिद्धान्तः वक्रोक्ति की परिभाषा, कुन्तक पूर्व वक्रोक्ति विचार, वक्रोक्ति सिद्धान्त का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेदों का सोदाहरण परिचय, वक्रोक्ति का महत्त्व

2. औचित्य सिद्धान्तः औचित्य का स्वरूप, आचार्य क्षेमेन्द्र पूर्व औचित्य विचार, आचार्य क्षेमेन्द्र का औचित्य विचार, औचित्य के भेद, अन्य सिद्धान्तों के सन्दर्भ में औचित्य का महत्त्व

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. भारतीय काव्य शास्त्र (खण्ड एक और खण्ड दो) – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. काव्य शास्त्र – डॉ0 भगीरथ मिश्र
3. साहित्य के प्रमुख सिद्धान्त – डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
4. भारतीय काव्य शास्त्र– डॉ0 विजयपाल सिंह
5. भारतीय काव्य शास्त्र– डॉ0 सत्यदेव चौधरी
6. भारतीय काव्य शास्त्र के सिद्धान्त– डॉ0 कृष्णदेव शर्मा
7. भारतीय काव्य शास्त्र की परम्परा– सम्पादक डॉ0 नगेन्द्र

एम0ए0 प्रथम वर्ष– हिन्दी (भाषा और साहित्य)

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहासः आदिकाल से रीतिकाल तक

सत्र 2018–19 की परीक्षा और उसके आगे के..... पूर्णांक –70, समय : 03 घण्टे

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन–

नोट– प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड (क) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)– छः प्रश्नों में से तीन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। अधिकतम 500 शब्दों में उत्तर दीजिए।

तीन 36 अंक (3 X 12)

खण्ड (ख) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक)

सात प्रश्नों में से चार प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। अधिकतम 200 शब्दों में उत्तर दीजिए।

चार 24 अंक (4 X 6)

खण्ड (ग) अति लघु उत्तरीय प्रश्न–

15 (पन्द्रह) प्रश्नों में से 10 (दस) प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

दस 10 अंक (1 X 10)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई– 1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास– पुनर्लेखन की समस्याएं

2. हिन्दी साहित्य का इतिहासः काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

द्वितीय इकाई– 1. हिन्दी साहित्यः आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्धनाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य,
2. हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं।

तृतीय इकाई–
1. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन, विभिन्न काव्य धाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य
2. प्रमुख निर्गुण सन्त कवि एवं उनका अवदान,
3. भारत में सूफी मत का विकास
4. प्रमुख सूफी कवि एवं उनकी रचनाएं
5. सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन के तत्त्व
6. राम और कृष्ण भक्ति काव्य
7. राम और कृष्ण काव्येतर काव्य और भक्त्येतर काव्य, इनके प्रमुख कवि एवं उनके काव्य का रचनागत वैशिष्ट्य

चतुर्थ इकाई– रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) व उनकी प्रवृत्तियाँ, रचनाकार और उनकी रचनाएं।

सन्दर्भ ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ0 राम कुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास– डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सम्पादक – डॉ0 नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– राम स्वरूप चतुर्वेदी
7. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास– आचार्य सूर्यकान्त शास्त्री
8. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद

एम०ए० पूर्वार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य)

द्वितीय सेमेस्टर : प्रथम प्रश्नपत्र (मध्यकालीन काव्य-रीतिकालीन काव्य)

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा | पूर्णांक : ७० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिये गये निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

(क) व्याख्या :

पाँच अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (3X8)

(ख) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

(ग) अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई :- महाकवि देव

देव की दीपशिखा : सम्पादक-डॉ० विद्या निवास मिश्र
आरम्भिक के २० पद

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. महाकवि देव का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व।
3. महाकवि देव की काव्य चेतना।
4. महाकवि देव का काव्य कोमल संवेदना एवं शिल्प।
5. महाकवि देव की काव्य कला एवं प्रदेय।
6. महाकवि देव का काव्य-वैभव।

द्वितीय इकाई : बिहारी

बिहारी-रत्नाकर (सम्पादक-जगन्नाथ रत्नाकर) से ४० दोहे।

अध्ययनार्थ विषय :

1. दोहा की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
7. बिहारी का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व।
2. बिहारी एक सफल मुक्ताककार हैं सिद्ध कीजिए ?
3. बिहारी सतसई, अक्षर कामधेनु है सोउदाहरण समीक्षा कीजिए।
4. बिहारी की काव्य-कला।
5. बिहारी की बहुज्ञता।
6. बिहारी की भक्ति-भावना।
7. बिहारी की श्रृंगार-भावना।
8. बिहारी का प्रकृति -चित्रण।

तृतीय इकाई : घनानन्द

घनानन्द का काव्य (सम्पादक-प्रो० रामदेव शुक्ल) से ४० पद।

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. घनानन्द का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व।
3. घनानन्द की बिरह व्यंजना।
4. घनानन्द का श्रृंगार-निरूपण।
5. घनानन्द की काव्य-कला।
6. घनानन्द की काव्य-भाषा।
7. घनानन्द का काव्य-वैभव।

चतुर्थ इकाई : सेनापति

'कवित्त रत्नाकर' से आरम्भिक २० पद।

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. सेनापति का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व।
3. सेनापति का प्रकृति-चित्रण।
4. सेनापति की भाषा।
5. सेनापति के काव्य की मूल-चेतना।
6. सेनापति का काव्य-वैशिष्ट।

पंचम इकाई : पद्माकर

'जगद्-विनोद आरम्भिक २० पद।

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. पद्माकर का जीवनवृत्त एवं कृतित्त्व।
3. पद्माकर का प्रकृति-चित्रण।
4. पद्माकर के काव्य में लोकचित्रण के स्वर।
5. पद्माकर का काव्य-वैभव।
6. पद्माकर की काव्य-भाषा।
7. पद्माकर के काव्य में अलंकार योजना।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ० भगीरथ मिश्र।
3. रीतियुगीन काव्य - डॉ० कृष्ण चन्द्र वर्मा।
4. रीति काव्य की भूमिका - डॉ० नगेन्द्र।
5. बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन - डॉ० रामदेव शुक्ल।
6. बिहारी का काव्य-लालित्य - डॉ० रमा शंकर तिवारी।
7. हिन्दी काव्य में श्रृंगार परम्परा और बिहारी - डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त।
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास - (सम्पादक-डॉ० नगेन्द्र)।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद

एम०ए० पूर्वार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य)

द्वितीय सेमेस्टर : द्वितीय प्रश्नपत्र (आधुनिक गद्य-निबन्ध एवं नाटक)

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा | पूर्णांक : ७० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिये गये निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

(क) व्याख्या :

छः अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (3X8)

(ख) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

(ग) अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई :- निबन्ध

	संकलित निबन्धकार	संकलित निबन्ध
1.	सरदार पूर्ण सिंह	आचरण की सभ्यता
2.	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	कवियों की उर्मिला-विषयक उदासीनता
3.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	ईर्ष्या
4.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या
5.	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्सायन 'अज्ञेय'	प्रासंगिकता का प्रश्न
6.	डॉ० विद्यानिवास मिश्र	शेफाली झर रही है।
7.	डॉ० कुबेरनाथ राय	राघव करूणो रसः

अध्ययनार्थ विषय :

1. सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. हिन्दी निबन्ध : रूप-स्वरूप और विकास यात्रा।
3. संकलित निबन्धकारों व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. संकलित निबन्धों की विशेषताएँ।
5. संकलित निबन्धकारों की भाषा-शैली।
6. संकलित निबन्धकारों में ललित निबन्धकार एवं ललित निबन्ध।

पाठ्यपुस्तक : **'निबन्ध आलोक'**

सम्पादक : डॉ० प्रभाकर मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, आचार्य नरेन्द्र देव किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बभनान-गोण्डा।

द्वितीय इकाई :- नाटक

	संकलित नाटककार	संकलित नाटक
1.	जयशंकर प्रसाद	चन्द्रगुप्त

अध्ययनार्थ विषय :

1. सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. हिन्दी नाटक का विकास क्रम।
3. जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
4. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक का स्वरूप एवं तत्वों का परिचय।
5. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की नाटकीय तत्वों के आधार पर समीक्षा।
6. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता।
7. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना।
8. 'चन्द्रगुप्त' नाटक का नाट्य-निबन्ध।
9. पात्र चरित्र-चित्रण।
10. हिन्दी नाट्य-विधा में जयशंकर प्रसाद का योगदान।

● *तृतीय इकाई :- नाटक*

संकलित नाटककार	*संकलित नाटक*
1. मोहन राकेश	*आधे-अधूरे*

अध्ययनार्थ विषय :

1. *सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।*
2. *मोहन राकेश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।*
3. *भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से नाटक का स्वरूप एवं तत्वों का परिचय।*
4. *मोहन राकेश का नाट्य चिंतन।*
5. *हिन्दी एवं भारतीय नाट्य क्षेत्र में मोहन राकेश का स्थान।*
6. *पात्र चरित्र-चित्रण।*
7. *मोहन राकेश के नाट्य कला : कथ्य, आधुनिक संवेदना, चरित्रांकन, भाषा, संवाद-योजना, मंचीयता।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र त्रिपाठी।*
2. *निबन्ध सिद्धान्त एवं प्रयोग : डॉ० हरिनाथ द्विवेदी।*
3. *हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डॉ० दशरथ ओझा।*
4. *हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास : डॉ० सोमनाथ गुप्ता।*
5. *प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक : डॉ० जगदीश चन्द जोशी।*
6. *मोहन राकेश : व्यक्तित्व एवं डॉ रमेश कुमार जाधव : कृतित्व।*
7. *मोहन राकेश और उनके नाटक : डॉ० गिरीश रस्तोगी।*
8. *अज्ञेय : सम्पादक-डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।*
9. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : डॉ० रामचन्द्र तिवारी।*
10. *आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।*
11. *हिन्दी में ललित निबन्ध : डॉ० ललित व्यास।*

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद

एम०ए० पूर्वार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य)

द्वितीय सेमेस्टर : तृतीय प्रश्नपत्र (पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन)

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा | पूर्णांक : ७० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिये गये निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

(क) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

(ख) लघुउत्तरीय प्रश्न :

सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (4X6)

(ग) अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई :-

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकास क्रम का संक्षिप्त परिचय।
2. प्लेटो : काव्य सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त।
3. अरस्तु का काव्य सिद्धान्त। **अनुकरण सिद्धान्त :** अनुकरण की व्याख्या, प्लेटो और अरस्तु की अनुकरण विषयक धारणा, दोनों के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना।
   विवेचन सिद्धान्त : स्वरूप विवेचन तथा व्याख्याएँ, विवेचन का महत्व : त्रासदी विवेचन।
4. **उदात्त सिद्धान्त :** लोजाइनस का उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग तथा वहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व लोजाइनस का योगदान।
5. आई०ए० रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त तथा काव्यभाषा सिद्धान्त।

द्वितीय इकाई :-

1. इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धान्त, इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धान्त का स्वरूप, इलियट का योगदान।
2. क्रोचे का अभिव्यंजनावाद : स्वरूप विवेचन, कला के साथ का सम्बन्ध अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धान्त।
3. कालरिज की कल्पना और फेन्टेसी सिद्धान्त।
4. वुड्सवर्थ का काव्य भाषा सिद्धान्त।

तृतीय इकाई :-

1. आधुनिक आलोचना के प्रमुखवाद।
2. प्रतीकवाद : स्वरूप, विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, महत्व एवं सीमाएँ।
3. बिंबवाद : स्वरूप, विवेचन एवं व्याख्या, वर्गीकरण, काव्य-महत्व।
4. स्वच्छन्दतावाद।
5. मनोविश्लेषणवाद।

चतुर्थ इकाई :-

1. आधुनिक हिन्दी आलोचक एवं उनकी मान्यताएँ-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ० नगेन्द्र, डॉ० राम विलाश शर्मा, नन्द दुलारे वाजपेयी।

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त - डॉ० कृष्ण देव शर्मा।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ० देवेन्द्र नाथ शर्मा।
3. आलोचना के आधुनिकतावाद और नई कविता - डॉ० शिव करण सिंह।
4. समीक्षालोक - डॉ० भगीरथ मिश्र।
5. अरस्तु का काव्यशास्त्र - डॉ० नगेन्द्र।
6. पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त का विवेचन : डॉ० ओम प्रकाश शर्मा।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद

एम०ए० पूर्वार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य)

द्वितीय सेमेस्टर : चतुर्थ प्रश्नपत्र (हिन्दी साहित्य का इतिहास-आधुनिक काल)

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा | पूर्णांक : ७० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिये गये निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

(क) दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

(ख) लघुउत्तरीय प्रश्न :

सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (4X6)

(ग) अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई :- **आधुनिक हिन्दी काव्य का विकास**

1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
2. भारतेन्दुयुगीन कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, भारतेन्दुयुगीन प्रतिनिधि, कवियों का सामान्य परिचय-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, पं० बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'।
3. द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, द्विवेदीयुगीन प्रतिनिधि, कवियों का सामान्य परिचय-मैथिलीशरण गुप्त, पं० श्रीधर पाठक।
4. छायावादी कविता : उद्भव के कारण, सामान्य प्रवृत्तियाँ, सीमाएँ, प्रमुख छायावादी कवियों का परिचय-पन्त, प्रसाद, निराला एवं महादेवी वर्मा।
5. राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा की कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिबिधि, कवियों का सामान्य परिचय-माखन लाल चतुर्वेदी, रामधारी सिंह 'दिनकर'।

द्वितीय इकाई :-

1. प्रगतिवादी कविता : उद्भव के कारण, सामान्य प्रवृत्तियाँ, सीमाएँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय-नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल।
2. प्रयोगवादी कविता : उद्भव के कारण, सामान्य प्रवृत्तियाँ।
3. नई कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय-अज्ञेय, मुक्तिबोध, गिरजा कुमार माथुर, नरेश मेहता एवं रघुवीर सहाय।
4. साठोत्तरी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय-धूमिल, दुष्यन्त कुमार, लीलाधर जागुडी, केदार नाथ सिंह, मंगलेश डबराल, चन्द्रकान्त देवताले।

तृतीय इकाई :- **हिन्दी गद्य विधाओं का विकास**

1. हिन्दी उपन्यास साहित्य का विकास : प्रेमचन्द पूर्वयुग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग, स्वातंत्रयोत्तर युग (सम्बन्धित युग के उपन्यास साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय)।
2. प्रमुख उपन्यासकारों का विशेष परिचय : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र कुमार, हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, यशपाल, वृन्दावन लाल वर्मा, फणीश्वर नाथ रेणु, रामदरश मिश्र, शिव प्रसाद सिंह, कृष्ण सोबती।
3. हिन्दी कहानी साहित्य का परिचय : प्रेमचन्द पूर्वयुग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग, स्वातंत्रयोत्तर युग, नई कहानी, साठोत्तरी कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समान्तर कहानी (सम्बन्धित युग के कहानी साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय)।
4. प्रमुख कहानीकारों का परिचय : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र कुमार, कमलेश्वर, मन्नू भण्डारी, उषा प्रियवन्दा, ज्ञान रंजन, उदय प्रकाश।

चतुर्थ इकाई :-

1. हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास : भारतेन्दु पूर्वयुग, भारतेन्दु युग, जयशंकर प्रसाद, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्रोयत्तर युग, साठोत्तरी युग (सम्बन्धित युग के नाट्य साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय)।
2. प्रमुख नाटककरों का विशेष परिचय : भारतेन्दु हरिश्चन्द, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चन्द माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मी नारायण मिश्र, मोहन राकेश, लक्ष्मी नारायण लाल, शंकर शेष, सुरेन्द्र वर्मा।

3. हिन्दी निबन्ध का इतिहास : भारतेन्दु पूर्वयुग, भारतेन्दु युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, स्वातंत्रोयत्तर युग, साठोत्तरी युग (सम्बन्धित युग के नाट्य साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय)।
4. प्रमुख निबन्धकारों का परिचय : पं० प्रताप नारायण मिश्र, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्या निवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, हरिशंकर परसाई।

पंचम इकाई :-

1. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास : भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, शुक्ल युग, शुक्लोत्तर युग, साठोत्तरी युग (सम्बन्धित युग के आलोचना साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय)।
2. प्रमुख आलोचक का विशेष परिचय : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ० राम विलास शर्मा, डॉ० नामवर सिंह, डॉ० नगेन्द्र।
3. संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मा-कथा, रिपोतार्ज आदि का सामान्य परिचय।

सन्दर्भ ग्रन्थः-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ० राम कुमार वर्मा।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ० नगेन्द्र।
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य : डॉ० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय।
5. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास : डॉ० शिवमूर्ति शर्मा।
6. हिन्दी साहित्य का नया इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह।
7. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी।
8. नया साहित्य-नये प्रश्न : आचाय नन्द दुलारे वाजपेयी।
9. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य : डॉ० इन्द्रनाथ मदान।
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ० गणपतिचन्द्र गुप्त।
11. हिन्दी साहित्य और संवेदना : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी।
12. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैज़ाबाद

परिसर हेतु

एम०ए० उत्तरार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य)

पाठ्यक्रम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की रचना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की 'मॉडल पाठ्यचर्या' के आलोक में की गयी है।

एम०ए० उत्तरार्द्ध हिन्दी (भाषा और साहित्य) सत्र 2019-20 से तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर और उससे आगे...

परीक्षा योजना :

1. प्रत्येक सेमेस्टर का प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा।
2. प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में प्रत्येक प्रश्नपत्र की परीक्षा लिखित एवं आन्तरिक मूल्यांकन (सेशनल) आधार पर होगी। लिखित परीक्षा केवल तीन घण्टे की होगी और इसका पूर्णांक 70 होगा। प्रत्येक सेशनल (आन्तरिक मूल्यांकन) 30 अंक का होगा।
3. तृतीय सेमेस्टर का चतुर्थ प्रश्नपत्र फील्ड वर्क (प्रायोगिक) एवं मौखिक होगा, जो क्रमशः 30 अंक एवं 70 अंक का होगा।
4. चतुर्थ सेमेस्टर का चतुर्थ प्रश्नपत्र मौखिक होगा और इसका पूर्णांक 100 होगा।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूहचर्चा।
3. अतिथि, विद्वानों के व्याख्यान।

एम०ए० द्वितीय उत्तरार्द्ध-हिन्दी (भाषा और साहित्य) सत्र 2019-20 की परीक्षा और उससे आगे..

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र का नाम	आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
प्रथम	आधुनिक काव्य : छायावाद तक	30	70	100
द्वितीय	भाषा विज्ञान	30	70	100
तृतीय	भारतीय साहित्य	30	70	100
चतुर्थ	कविता, कहानी, नुक्कड़, नाटक को लोक (गाँव-गाँव) से परिचित कराना	30 (प्रायोगिक फील्ड वर्क)	70 (मौखिक)	100

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र संख्या	प्रश्नपत्र का नाम	आन्तरिक मूल्यांकन	लिखित परीक्षा	पूर्णांक
प्रथम	आधुनिक काव्य - छायावादोत्तर काव्य	30	70	100
द्वितीय	हिन्दी भाषा का विकास देवनागरी लिपि की त्रुटियां एवं वैज्ञानिकता	30	70	100
तृतीय	विशेष अध्ययन : 1. तुलसीदास : रामचरितमानस 2. जयशंकर प्रसाद (कामायनी, लहर, आँसू, और चन्द्रगुप्त)	30	70	100
चतुर्थ	मौखिक			100

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए०-द्वितीय वर्ष : हिन्दी-भाषा और साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य-छायावाद तक

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : ७० अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क व्याख्या :

पाँच अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (3X8)

खण्ड ख दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई :- **कवि : जगन्नाथ दास रत्नाकर (उद्धवशतक के आरम्भिक 50 पद)**

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. जगन्नाथ दास रत्नाकर का जीवन-वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. जगन्नाथ दास रत्नाकर के 'उद्धवशतक' में 'ज्ञान और योग' पर प्रेम एवं भक्ति की विजय दिलाई है, सिद्ध कीजिए।
4. जगन्नाथ दास रत्नाकर का काव्य-वैशिष्ट्य।
5. जगन्नाथ दास रत्नाकर की भाषा।
6. जगन्नाथ दास रत्नाकर के काव्य में अलंकार एवं छन्द योजना।

द्वितीय इकाई : **कवि : मैथिलीशरण गुप्त (साकेत का नवम् सर्ग)**

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. मैथिलीशरण गुप्त का जीवन-वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. 'साकेत' के 'नवम् सर्ग' के आधार पर पात्रों का चरित्र-चित्रण।
4. मैथिलीशरण गुप्त 'साकेत' महाकाव्य की प्रबन्ध-पटुता कवि के स्थापत्य की देन है ?
5. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की विशेषताएँ।
6. मैथिलीशरण गुप्त के महाकाव्य 'साकेत' की भाषा।
7. मैथिलीशरण गुप्त के महाकाव्य 'साकेत' का मूल उद्देश्य।
8. मैथिलीशरण गुप्त के महाकाव्य 'साकेत' में उर्मिला के विरह-वर्णन में प्राचीनता एवं नवीनता का अद्भुत समन्वय है, सिद्ध कीजिए।

तृतीय इकाई : **कवि : जयशंकर प्रसाद-कामायनी (श्रद्धा सर्ग)**

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. जयशंकर प्रसाद का जीवन-वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. कामायनी की कथा में इतिहास और कल्पना।
4. कामायनी में पात्रों का चरित्र-चित्रण।
5. कामायनी का महाकाव्यत्व।
6. कामायनी का दार्शनिकता।
7. कामायनी का कलापक्ष-भाषा, अलंकार एवं छन्द-विधान।
8. जयशंकर प्रसाद का काव्य-वैशिष्ट्य।

चतुर्थ इकाई : **कवि : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ('राम की शक्ति पूजा' एवं 'सरोज स्मृति')**

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जीवन-वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. निराला के काव्य की विशेषताएँ।
4. निराला के काव्य का कथ्य तथा शिल्प।
5. निराला के काव्य का कलापक्ष : भाषा, अलंकार एवं छन्द-विधान।
6. राम की शक्ति पूजा का महाकाव्यत्व।
7. 'सरोज स्मृति' के आधार पर निराला की करूण-गाथा का निदर्शन।

पंचम इकाई : **कवि : सुमित्रानन्दन पंत (परिवर्तन)**

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. सुमित्रानन्दन पंत का जीवन-वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. सुमित्रानन्दन पंत का प्रकृति-चित्रण एवं नारी-प्रेम।
4. सुमित्रानन्दन पंत का काव्य-वैशिष्ट्य।
5. कोमल-कल्पना के कवि 'पंत'।
6. सुमित्रानन्दन पंत का बिम्ब-विधान।
7. सुमित्रानन्दन पंत के काव्य का कलापक्ष : भाषा, अलंकार और छन्द-विधान।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. कामायनी विमर्श : भगीरथ दीक्षित।
2. कामायनी एक पुनर्विचार : गजानन माधव 'मुक्तिबोध'।
3. कामायनी पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी।
4. विश्वकवि 'निराला' : डॉ० बुद्धसेन नीहार।
5. 'निराला' की साहित्य-साधना : डॉ० रामविलास शर्मा।
6. क्रान्तिकारी कवि 'निराला' : डॉ० बच्चन सिंह।
7. राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरण गुप्त : डॉ० अर्जुन शतपथी।
8. आधुनिक साहित्यिक निबन्ध : डॉ० त्रिभुवन सिंह।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह।
10. आस्थ और सौन्दर्य : डॉ० रामविलास शर्मा।
11. हिन्दी साहित्य : प्रवृत्तियाँ एवं विकास : रामचन्द्र वर्मा।
12. आधुनिक काव्य प्रवृत्तियाँ-एक पुनर्मूल्यांकन : डॉ० गणेश खरे।
13. काव्यधारा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए०-द्वितीय वर्ष : हिन्दी-भाषा और साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : द्वितीय प्रश्नपत्र : भाषा-विज्ञान

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : ७० अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

खण्ड ख लघु उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

आठ प्रश्नों में से चार प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (4X6)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।
10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई :-

1. भाषा-विज्ञान, भाषा-विज्ञान का नामकरण, भाषा-विज्ञान की परिभाषा, भाषा-विज्ञान का क्षेत्र, भाषा-विज्ञान के अंग, भाषा-विज्ञान की शाखाएँ, भाषा-विज्ञान है या कला, भाषा-विज्ञान और भाषाशास्त्र, भाषा-विज्ञान की उपयोगिता।
2. भाषा का अर्थ, भाषा की परिभाषा, भाषा के अनेक रूप, बोली, विभाषा और भाषा, भाषा का आधार, भाषा और वाक्, साहित्यिक भाषा और जनभाषा का अन्तर भाषा की विशेषताएं।
3. भाषा का स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ, भाषा की उत्पत्ति (विभिन्न मतों की समीक्षा) भाषा की परिवर्तन शीलता, भाषा में परिवर्तन की दिशाएं, भाषा में परिवर्तन के कारण (आभ्यन्तर, वाह्य, साद्श्य)।

द्वितीय इकाई :-

1. ध्वनि-विज्ञान क्या है, ध्वनि-विज्ञान की उपयोगिता फोनोलॉजी और फोनेटिक्स में अन्तर, ध्वनि की उत्पत्ति एवं श्रवण, प्रायोगिक ध्वनि-विज्ञान,ध्वनि-विज्ञान की शाखाएँ वाग-यंत्र,वाग-यंत्र का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन वैदिक-ध्वनियाँ, संस्कृत ध्वनियाँ, हिन्दी ध्वनियाँ, हिन्दी की ध्वनियाँ का वर्गीकरण, स्वरों का वर्गीकरण व्यंजन, व्यंजनों का वर्गीकरण (आधुनिक भाषाशास्त्र के अनुसार) प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण : स्पर्श संघर्षी, अर्धस्वर , नासिक्य, पार्श्विक, लुण्ठित, उत्क्षिप्त, अन्तः स्फोट।
   संयुक्त व्यंजन, समकालिक प्रयत्न-ध्वनियाँ, अक्षर और आक्षरिक, अनाक्षारिक स्वर, आक्षरिक व्यंजन।
   ध्वनि-गुण, मात्रा अघात, बलाघात स्वर या सुर संगम संधि।

ध्वनि-विचार :-

स्वनिम-विज्ञान और स्वनिम, स्वनिम (फोनीम) का संक्षिप्त इतिहास, स्वनिम (फोनीम) की परिभाषा, स्वनिम की विशेषताएं, स्वनिम-विज्ञान और स्वनिम-विज्ञान में अन्तर स्वनिम और संस्वन का निर्धारण, स्वनिम छाँटने की विधि स्वनिम के भेद।

स्वनिम-परिवर्तन : ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि-नियम।

तृतीय इकाई :-

क. पद-विज्ञान :

1. पद और वाक्य, पद और शब्द, पद और सम्बन्धतत्त्व, सम्बन्धतत्त्व के प्रकार, अर्थतत्व और सम्बन्धतत्त्व का संयोग, संस्कृत में सम्बन्धतत्त्व, हिन्दी में वचन, पुरूष , कारक, क्रिया, काल।
2. रूप परिवर्तन की दिशाएँ, रूप-परिवर्तन के कारण, रूपिम-विज्ञान या रूपग्राम-विज्ञान।

ख. वाक्य-विज्ञान :-

वाक्य-विज्ञान का स्वरूप, पद और वाक्य (अभिहितान्वयवाद और आन्विताभिधानवाद) वाक्य की परिभाषा आवश्यक गुण, वाक्य और पदक्रम, अन्तः केन्द्रिक और वाह्य केन्द्रिक रचना। वाक्य के प्रकार, वाक्य का विभाजन वाक्य के निकटतम अवयव, वाक्य में परिवर्तन कर दिशाएँ वाक्य वरिवर्तन के कारण, पदिम।

चतुर्थ इकाई :-

अर्थ-विज्ञान :

1. अर्थ-विज्ञान क्या है ? अर्थ-विज्ञान का नामकरण, अर्थ-विज्ञान का इतिहास, अर्थ-विज्ञान का महत्त्व, अर्थ-विज्ञान का लक्षण, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध संकेत-ग्रहण (अर्थज्ञान) के साधन, संकेत ग्रहण के बाधक तत्त्व, शब्द शक्ति।
2. एकार्थक और नानार्थक शब्द, एकार्थक शब्द का अर्थ-निर्णय अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ : अर्थ-विस्तार, अर्थ-संकोच, अर्थादेश, अर्थोत्कर्ष, अर्थापकर्ष।
3. अर्थ-परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. भाषा-विज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी।
2. भाषा-विभास : डॉ० रामशंकर त्रिपाठी।
3. भाषा-विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ० कपिल देव द्विवेदी।
4. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ कृपाशंकर सिंह।
5. सामान्य भाषा-विज्ञान : डॉ० बाबूराम सक्सेना।
6. भाषा विज्ञान-सैद्धान्तिक विवेचन : डॉ० रवीन्द्र श्रीवास्तव।
7. अभिनव भाषा-विज्ञान : डॉ० ओम प्रकाश शर्मा।
8. भाषा-विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा।
9. आधुनिक भाषा-विज्ञान के सिद्धांत : डॉ० रामकिशोर शर्मा।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए०-द्वितीय वर्ष : हिन्दी-भाषा और साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : तृतीय प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : ७० अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

1. प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक निर्धारित हैं।
2. प्रथम एवं द्वितीय इकाई से दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक प्रश्न) होगें।
3. तृतीय इकाई से लघुउत्तरीय प्रश्न होगें।
4. चतुर्थ इकाई से संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।

खण्ड क व्याख्या :

छः अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (3X8)

खण्ड ख दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

पाँच प्रश्नों में से दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। 26 अंक (2X13)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

आठ प्रश्नों में से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 20 अंक (4X5)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई : **भारतीय साहित्य**

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में यथार्थ और आदर्श का अन्तर्सम्बन्ध और आदर्शोन्मुखता की प्रवृत्ति।
4. भारतीय साहित्य में मूल्य-चेतना।

द्वितीय इकाई : **(क) उपन्यास : अग्निगर्भ-महाश्वेता देवी (बंगला)**
(ख) नाटक : घासीराम कोतवाल : विजय तेन्दुलकर (मराठी)

अध्ययनार्थ विषय :

1. महाश्वेता देवी द्वारा लिखित उपन्यास 'अग्निगर्भ' की कथावस्तु का सारांश।
2. उपन्यास के आवश्यक तत्त्व बताइए और उनके आधार पर महाश्वेता देवी द्वारा लिखित उपन्यास 'अग्निगर्भ' की समीक्षा।
3. 'अग्निगर्भ' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण।
4. विजय तेन्दुलकर द्वारा लिखित नाटक 'घासीराम कोतवाल' की कथा-वस्तु का सारांश।
5. 'घासीराम कोतवाल' नाटक का मूल आधार इतिहास है, परन्तु वह ऐतिहासिक नाटक नहीं है, विजय तेन्दुलकर के इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
6. नाटक के आवश्यक तत्त्व बताइए और उनके आधार पर विजय तेन्दुलकर द्वारा प्रमाणित नाटक 'घासीराम कोतवाल' की संक्षिप्त समीक्षा।
7. 'घासीराम कोतवाल' नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण (घासीराम कोतवाल, नाना फण्डवीस)।

तृतीय इकाई : **भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय**

1. **उर्दू :** अकबर इलाहाबादी, फिराक गोरखपुरी, मुहम्मद इकबाल, मिर्जा गालिब, क़सीदा, ग़ज़ल, मसनवी, शेर, अनारकली, लैला।
2. **पंजाबी :** अमृता प्रीतम, गुरू अर्जुनदेव, आदिग्रन्थ।
3. **संस्कृत :** रामायण, महाभारत।
4. **बंगला :** चर्यापद, मंगलकाव्य, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय, रवीन्द्र नाथ टैगोर।
5. **तमिल :** तमिल का संगम साहित्य, कंब रामायण का संक्षिप्त परिचय।
6. **तेलगू :** अवधान काव्य, वीरेशलिंगम् पंतुल।
7. **गुजराती :** अर्वाचीन कविता, नरसिंह मेहता, काका कालेलकर।
8. **असमिया :** शंकरदेव, असमिया का बुरंजी साहित्य।
9. **मराठी :** मराठी भाषा के पवाड़े, नामदेव।
10. **मलयालम :** मणिप्रवालम शैली।
11. **फोर्ट विलियम कॉलेज (हिन्दी, उर्दू संस्था)।**
12. **हिन्दी :** 'सरस्वती पत्रिका' संकलन-त्रय।
13. लोक साहित्य, भरतनाट्यम्, कथकली, लोकनृत्य।

चतुर्थ इकाई :

पाठ्य-पुस्तक : **भारतीय साहित्य संचयन**

सम्पादक :

1. प्रो० अनन्त मिश्र, पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
2. प्रो० चित्तरंजन मिश्र, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

अध्ययनार्थ विषय :

1. गद्य एवं पद्य अवतरणों की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. भारतीय साहित्य : सम्पादक डॉ० नगेन्द्र।
2. भारतीय साहित्य : डॉ० लक्ष्मीकान्त पाण्डेय।
3. भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियाँ : इन्द्रनाथ चौधरी।
4. भारतीय परम्परा : डॉ० विद्यानिवास मिश्र।
5. चयनम् : सम्पादक अरूण प्रकाश।
6. भारतीयता की पहचान : डॉ० विद्यानिवास मिश्र।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए० : द्वितीय वर्ष : हिन्दी (भाषा और साहित्य)

तृतीय सेमेस्टर : चतुर्थ प्रश्नपत्र-कविता, कहानी, नुक्कड़, नाटक, लोक (गांव-गांव) से परिचित कराना

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100 अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभक्त है। सभी खण्डों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क

प्रायोगिक (फील्ड वर्क) : 30 अंक

प्रायोगिक विषय : कविता, कहानी, नुक्कड़, नाटक, लोक (गांव-गांव) से परिचित कराना।

खण्ड ख

मौखिकः 70 अंक

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए० : द्वितीय वर्ष : हिन्दी (भाषा और साहित्य)

चतुर्थ सेमेस्टर : प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य-छायावादोत्तर काव्य

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : 70 अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी खण्डों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क व्याख्या :

छः अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक अवतरण के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (3X8)

खण्ड ख दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 10 अंक (1X10)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई : **कवि : रामधारी सिंह 'दिनकर' (कुरूक्षेत्र का छठा सर्ग)**

अध्ययनार्थ विषय :

1- पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2- रामधारी सिंह 'दिनकर' का जीवन-वृत्त और कृतित्त्व।
3- रामधारी सिंह 'दिनकर' का काव्य-वैशिष्ट्य।
4- 'दिनकर' के काव्य में राष्ट्रीय-चेतना।
5- 'दिनकर' के काव्य में ओज और उदात्तता।
6- 'दिनकर' के काव्य का कलापक्ष : भाषा, छन्द और अलंकार।
7- 'दिनकर' के काव्य में मानवीय-संवेदना।
8- युग एवं शान्ति के विषय में 'दिनकर' का दृष्टिकोण।
9- 'कुरूक्षेत्र' की रचना का उद्देश्य।

द्वितीय इकाई : **कवि : सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यान 'अज्ञेय' (असाध्य वीणा)**

अध्ययनार्थ विषय :

1- पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2- 'अज्ञेय' का जीवन-वृत्त और कृतित्त्व।
3- 'अज्ञेय' का काव्य-वैशिष्ट्य।
4- 'अज्ञेय' के काव्य में प्रकृति-सौन्दर्य एवं मानव-सौन्दर्य।
5- 'अज्ञेय' के काव्य की काव्यगत विशेषताएँ।
6- 'अज्ञेय' एक प्रयोगधर्मी कवि।
7- 'अज्ञेय' के काव्य का कलापक्ष : भाषा, छन्द और अलंकार।

तृतीय इकाई : **कवि : गजानन माधव 'मुक्तिबोध' (अंधेरे में)**

अध्ययनार्थ विषय :

1- पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2- गजानन माधव 'मुक्तिबोध' का जीवन-वृत्त और कृतित्त्व।
3- 'मुक्तिबोध' का काव्य-वैशिष्ट्य।
4- 'मुक्तिबोध' की काव्य-भाषा।
5- नयी कविता और 'मुक्तिबोध'।
6- 'अंधेरे में' कविता मुक्तिबोध के व्यक्तित्व की प्रबल अभिव्यक्ति है, सिद्ध कीजिए।
7- 'मुक्तिबोध' के काव्य में 'अन्तर्वस्तु और संरचना' (अंधेरे में)।

चतुर्थ इकाई : **कवि : नागार्जुन (वैद्यनाथ मिश्र) (अकाल के बाद एवं मास्टर जी)**

अध्ययनार्थ विषय :

1- पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2- 'नागार्जुन' का जीवन-वृत्त और कृतित्त्व।
3- 'नागार्जुन' का काव्य-वैशिष्ट्य।
4- 'नागार्जुन' और प्रयोगवाद।
5- 'नागार्जुन' एक जनकवि।
6- 'नागार्जुन' की मूल काव्य-चेतना।

पंचम इकाई : **कवि : कुँवर नारायण (आत्मजयी)**

अध्ययनार्थ विषय :

1- पद की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2- कुँवर नारायण का जीवन-वृत्त और कृतित्त्व।
3- कुँवर नारायण का काव्य-वैशिष्ट्य।
4- कुँवर नारायण के काव्य में मानवी-संवेदना।
5- 'आत्मजयी' में आधुनिक चेतना, बिम्ब, प्रतीक।
6- कुँवर नारायण का 'आत्मजयी' एक प्रबन्ध-काव्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1- मुक्तिबोध : सम्पादक, डॉ० विश्वनाथ तिवारी।
2- मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब : चंचल चौहान।
3- मुक्तिबोध की कविताएँ : नन्द किशोर नवल।
4- मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल।
5- हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
6- अज्ञेय का काव्य : डॉ० सुमन झा।
7- अज्ञेय-चेतना के सीमान्त : डॉ० ज्वाला प्रसाद खेतान।
8- कवियों के कवि अज्ञेय : डॉ० शंकर मुद्गल।
9- क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ० बच्चन सिंह।
10- नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर : डॉ० संतोष कुमार तिवारी।
11- नयी कविता और अस्तित्व : डॉ० रामविलास शर्मा।
12- नागार्जुन का रचना संसार :
13- तीसरा-तारसप्तक : सम्पादक, अज्ञेय।
14- चालीसोत्तर : डॉ० रामअजोर सिंह।
15- काव्यायन : डॉ० रामशंकर त्रिपाठी और डॉ० रामअजोर सिंह।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए० : द्वितीय वर्ष : हिन्दी (भाषा और साहित्य)

चतुर्थ सेमेस्टर : द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा का विकास, देवनागरी लिपि की त्रुटियाँ एवं वैज्ञानिकता

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : 70 अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी खण्डों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

खण्ड ख लघु उत्तरीय :

आठ प्रश्नों में से चार प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (4X6)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 10 अंक (1X10)

निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम इकाई : भारतीय आर्य भाषाएँ

1- काल-विभाजन :

a. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत की ध्वनियाँ, मूल भारोपीय और वैदिक ध्वनियों में अन्तर, वैदिक भाषा की विशेषताएँ, लौकिक संस्कृत और संस्कृत भाषा की विशेषताएँ, वैदिक और लौकिक संस्कृत की समानताएँ-विषमताएँ।

b. मध्यकालीन भारतीय भाषाएँ : पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अप्रभ्रंश और उसकी विशेषताएँ।

c. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

2- हिन्दी का भौगोलिक विस्तार : हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी, तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

द्वितीय इकाई : भाषाशास्त्र का इतिहास

1- भारत में भाषाशास्त्रीय चिन्तन :

a. वेद, ब्राह्मण, शिक्षा, प्रातिशाख्य, निरूक्त।

b. पाणिनि, कात्यायन, पंतंजलि का परिचय।

c. अष्टाध्यायी के व्याख्याकार।

d. महाभाष्य के व्याख्याकार : भर्तृहरि, कैयट।

e. कौमुदी-परम्परा के वैयाकरण : भट्टोजिदीक्षित, नागेश भट्ट, वरदराज।

2- आधुनिक युग के भाषाशास्त्री :

a. भारतीय भाषाशास्त्री।

b. संस्कृत भाषा पर कार्य करने वाले विद्वान।

c. हिन्दी भाषा पर कार्य करने वाले विद्वान।

तृतीय इकाई :

1- हिन्दी भाषा का भाषिक स्वरूप :

- ❖ हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था : खंड्य, खंड्येत्तर।
- ❖ हिन्दी शब्द-रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
- ❖ रूप-रचना : लिंग, वचन, कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप।
- ❖ हिन्दी वाक्य रचना : पदक्रम और अन्विति।

2- हिन्दी भाषा का विविध रूप : सम्पर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, हिन्दी की सांविधानिक स्थिति, राजभाषा आयोग, राजभाषा हिन्दी की समस्याएँ, मानक भाषा, विश्व हिन्दी सम्मेलन।

चतुर्थ इकाई : लिपि का इतिहास

1- लिपि का प्रारम्भ।
2- लिपि विकास के तीन चरण।
3- विश्व की प्राचीन लिपियों का संक्षिप्त परिचय।
4- भारत में लिपि ज्ञान एवं लेखन कला।
5- खरोष्ठी लिपि।
6- ब्राह्मी लिपि।
7- देवनागरी लिपि।
8- देवनागरी : आदर्शलिपि।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1- भाषा-विज्ञान : डॉ० भोलानाथ तिवारी।
2- हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ० उदय नारायण तिवारी।
3- भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र : डॉ० कपिलदेव द्विवेदी।
4- हिन्दी भाषा : डॉ० भोलानाथ तिवारी।
5- भाषा-विभास : डॉ० रामशंकर त्रिपाठी।
6- भारतीय लिपियों का विकास : गुणाकर मुले।
7- नागरी लिपि रूप और सुधार : मोहन ब्रिज।
8- नागरी लिपि का उद्‌भव और विकास : डॉ० ओमप्रकाश भाटिया।
9- भाषा विज्ञान प्रदेय और हिन्दी भाषा : डॉ० भोलानाथ तिवारी।
10- हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास : डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
11- आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ० केशवदास रूपाली।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए० : द्वितीय वर्ष : हिन्दी (भाषा और साहित्य)

चतुर्थ सेमेस्टर : तृतीय प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन-तुलसीदास (रामचरितमानस)

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : 70 अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी खण्डों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क व्याख्या :

छः अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। 24 अंक (3X8)

खण्ड ख दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। 36 अंक (3X12)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। 10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

कवि : तुलसीदास–रामचरितमानस

प्रथम इकाई : कवि : तुलसीदास–रामचरितमानस–बालकाण्ड।

द्वितीय इकाई : कवि : तुलसीदास–रामचरितमानस–अयोध्याकाण्ड।

तृतीय इकाई : कवि : तुलसीदास–रामचरितमानस–अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड।

चतुर्थ इकाई : 'कवि : तुलसीदास–रामचरितमानस–लंकाकाण्ड, उत्तरकाण्ड।

अध्ययनार्थ विषय :

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या (सभी इकाई से)।
2. तुलसीदास का जीवन–वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. रामचरितमानस की प्रस्तावना।
4. रामचरितमानस में तुलसी के आन्तरिक–द्वन्द।
5. रामचरितमानस के कतिपय विशिष्ट–प्रसंग।
6. रामचरितमानस के शिथिलि–प्रसंग।
7. रामचरितमानस में चित्रकूट–मिलन।
8. रामचरितमानस में समाज और संस्कृति।
9. रामचरितमानस में 'रचि महेश निज मानस राखा'।
10. रामचरितमानस में तुलसीदास की दार्शनिक मान्यताएँ।
11. तुलसीदास का ज्ञान–सिद्धान्त।
12. तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ।
13. तुलसीदास का महत्त्व और निरूपण।
14. रामचरितमानस में रामराज्य की अवधारणा।
15. रामचरितमानस में नानापुराण निगमागम।
16. रामचरितमानस में तुलसीदास की भक्ति–भावना।
17. रामचरितमानस में 'सीता'।
18. रामचरितमानस में तुलसीदास का काव्य–चिंतन।
19. रामचरितमानस में रस–योजना।
20. रामचरितमानस में अलंकार–योजना।
21. रामचरितमानस में छन्द–योजना।
22. रामचरितमानस की भाषा।
23. तुलसीदास का काव्य समन्वय की विराट–चेष्टा है, समीक्षा।
24. रामचरितमानस में 'हनुमन' का चरित्र–चित्रण।
25. तुलसीदास के राम एक आदर्श मानव और परमब्रह्म हैं, समीक्षा।
26. तुलसीदास का रामचरितमानस : भाषा–पाण्डित्य।
27. रामचरितमानस में तुलसीदास का उक्ति–वैचित्य।
28. रामचरितमानस में सतसंग–महिमा।
29. रामचरितमानस में नारी–विषयक दृष्टिकोण।
30. रामचरितमानस में प्रबन्ध–काव्य।
31. तुलसीदास की प्रबन्ध–कल्पना।
32. रामचरितमानस : महाकाव्यत्त्व।
33. रामचरितमानस के आधार पर तुलसीदास के काव्य में लोक–मंगल।
34. तुलसीदास की प्रासंगिकता।
35. उत्तरकाण्ड का प्रतिपाद्य।
36. रामचरितमानस में मूल्य–बोध।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. तुलसी विमर्श : सम्पादक, डॉ० राजदेव मिश्र एवं डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित।
2. तुलसीदास काव्य-मीमांस : डॉ० उदय भानु सिंह।
3. विश्वकवि तुलसीदास और उनका काव्य- डॉ०रामप्रसाद मिश्र।
4. तुलसीदास की साहित्य साधना-डॉ० लल्लन राय।
5. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प - डॉ० आनन्द प्रकाश दीक्षित।
6. तुलसीदास दर्शन- डॉ० बलदेव प्रसाद मिश्र।
7. तुलसीदास- सम्पादक, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
8. तुलसीदास काव्य सौन्दर्य - डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी।
9. तुलसीदास संदर्भ - डॉ० नगेन्द्र।
10. गोवस्वामी तुलसीदास-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
11. रामचरितमानस चरित्रकोश - डॉ० भ०ए० राजूकर।
12. तुलसी वाङ्मय विमर्श - डॉ० कुन्दन लाल जैन।
13. रामचरितमानस में भक्ति - डॉ० सत्यनारायण शर्मा।
14. तुलसीदास का मानस - डॉ० तुलसीराम शर्मा।
15. तुलसीदास की भाषा - जनार्दन सिंह।
16. रामचरितमानस : तुलनात्मक अनुशीलन - डॉ० सज्जनराम केणी।
17. तुलसी साहित्य के बदलते प्रतिमान - चन्द्रभानु रावत।
18. तुलसी साहित्य की भूमिका - डॉ० रामरतन भटनागर।
19. तुलसीदास : चितंन और कला - सम्पादक, डॉ० इन्द्रनाथ मदान।
20. रामचरित्रमानस : अयोध्याकाण्ड - डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह।
21. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्याकंन - डॉ० देवेंद्रनाथ शर्मा।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए० : द्वितीय वर्ष : हिन्दी (भाषा और साहित्य)

चतुर्थ सेमेस्टर : तृतीय प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन-जयशंकर प्रसाद- (कामायनी, लहर, आँसू, चन्द्रगुप्त)

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

समय : तीन घण्टा **पूर्णांक : 70 अंक**

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

नोट :

प्रस्तुत प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड से दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी खण्डों के अंक निर्धारित हैं।

खण्ड क व्याख्या :

छः अवतरणों में से तीन की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। तीन, 24 अंक (3X8)

खण्ड ख दीर्घ उत्तरीय (समीक्षात्मक) :

छः प्रश्नों में से तीन प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। प्रश्नों का उत्तर अधिकतम 500 शब्दों में दीजिए। तीन, 36 अंक (3X12)

खण्ड ग अति लघुउत्तरीय प्रश्न :

पन्द्रह प्रश्नों में से दस प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। दस, 10 अंक (10X1)

निर्धारित पाठ्यक्रम

कवि : जयशंकर प्रसाद- (कामायनी, लहर, आँसू, चन्द्रगुप्त)

प्रथम इकाई : **कवि : जयशंकर प्रसाद- कामायनी।**

अध्ययनार्थ विषयः-

1. पद की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या।
2. जयशंकर प्रसाद का जीवन-वृत्त एवं कृतित्त्व।
3. कामायनी का महाकाव्यत्व।
4. कामायनी के अख्यान में इतिहास और रूपक का अद्‌भुत मिश्रण है, समीक्षा।
5. कामायनी में मानव-चेतना।
6. कामायनी में रूपक-तत्व।
7. कामायनी आधुनिक चेतना का अद्वितीय महाकाव्य।
8. कामायनी में आनन्दवाद।
9. कामायनी के पात्रों का चरित्र-चित्रण।
10. छायावाद और प्रसाद।
11. कामायनी विश्वव्याप्त विभीषिका का मुक्तिहार है, समीक्षा।
12. कामायनी की दार्शनिकता।
13. कामायनी का कलापक्ष - भाषा, अंलकार, छन्द, विधान।
14. कामायनी में सौदर्य वर्णन (श्रद्धा सर्ग)।

द्वितीय इकाई : **कवि : जयशंकर प्रसाद - लहर, आँसू।**

अध्ययनार्थ विषयः-

1. पद की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या।
2. 'लहर' में गीत-तत्त्व।
3. 'लहर' एवं 'आँसू' की काव्यगत विशेषताएँ।
4. 'लहर' में काव्य-सौन्दर्य।
5. 'लहर' का गीति-विधान।
6. प्रसाद के प्रगीतों के वैशिष्ट्य।
7. आँसू : एक विरह-काव्य।
8. 'आँसू' में लौकिक प्रेम एवं अलौकिक प्रेम।
9. 'आँसू' में स्वानुभूति की अभिव्यक्ति है, समीक्षा।
10. 'आँसू' का काव्य-वैशिष्ट्य।
11. 'आँसू' एक सफल एकार्थक काव्य।
12. 'आँसू' की नायिका।
13. 'आँसू' में प्रेम और सौन्दर्य।
14. 'लहर' एवं 'आँसू' का कलापक्ष : भाषा, अलंकार, छन्द-विधान।

तृतीय इकाई : **नाटककार : जयशंकर प्रसाद**

नाटक : चन्द्रगुप्त

अध्ययनार्थ विषयः-

1. अवतरणों की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या।
2. जयशंकर प्रसाद के नाटक : 'चन्दगुप्त' में इतिहास और कल्पना।
3. नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'चन्द्रगुप्त' की समीक्षा।
4. 'चन्द्रगुप्त' का नाट्य-शिल्प।
5. 'चन्द्रगुप्त' रंगमंचीयता।
6. 'चन्द्रगुप्त' में राष्ट्रीय-चेतना।
7. 'चन्द्रगुप्त' में पात्र चरित्र-चित्रण (चन्द्रगुप्त, चाणक्य, नन्द, पर्वतेश्वर, अलका, कार्नेलिया, कल्याणी, मालविका, सुवासिनी)।
8. जयशंकर प्रसाद की नाट्य-कला।
9. जयशंकर प्रसाद के नाटक चन्द्रगुप्त की भाषा-शैली।
10. जयशंकर प्रसाद के नाटक में अन्तर्द्वन्द और बर्हिद्वन्द।
11. चन्द्रगुप्त नाटक का नायक चाणक्य का बनाया चन्द्रगुप्त मौर्य है, समीक्षा।
12. जयशंकर प्रसाद की नाट्य-कला पर विविध प्रभाव।

सन्दर्भ ग्रन्थः-

1. 'कामायनी' एक पुनर्विचार : गजानन माधव 'मुक्तिबोध'।
2. 'कामायनी' विमर्श : डॉ० भगीरथ मिश्र।
3. 'कामायनी' इतिहास और रूपक : डॉ० सुशीला भारती।
4. 'कामायनी' एक नवीन दृष्टि : प्रो० रमेशचन्द गुप्त।
5. 'कामायनी' के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ० नगेन्द्र।
6. 'कामायनी' पुनर्मूल्यांकन : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी।
7. 'कामायनी' में काव्य-संस्कृति और दर्शन : डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
8. प्रसाद की काव्य-साधना : डॉ० रामनाथ सुमन।
9. प्रसाद का काव्य : डॉ० प्रेमशंकर।
10. कवि प्रसाद : डॉ० शम्भूनाथ पाण्डेय।
11. प्रसाद की कविताएँ : डॉ० सुधाकर पाण्डेय।
12. प्रसाद काव्य विवेचन : डॉ० हरदेव बाहरी।
13. महाकवि प्रसाद : डॉ० विजयेन्द्र स्नातक और रामेश्वर खण्डेलवाल।
14. कवि प्रसाद और लहर : डॉ० स्वदेश चावला एवं डॉ० माया अग्रवाल।
15. कवि प्रसाद, आँसू तथा अन्य कृतियाँ-प्रसाद का नियतिवाद : डॉ० विनय मोहन शर्मा।
16. प्रसाद और चन्द्रगुप्त : डॉ० पारसनाथ तिवारी।
17. हिन्दी नाटक प्रगति और प्रभाव : डॉ० दशरथ ओझा।
18. हिन्दी नाटक-उद्भव और विकास : डॉ० दशरथ ओझा।
19. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : नेमिचन्द जैन।
20. भारतीय नाट्यशास्त्र और रंगमंच : डॉ० रामसागर त्रिपाठी।
21. नाट्यभाषा : डॉ० गोविन्द पाठक।

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फ़ैज़ाबाद (उ०प्र०)

परिसर हेतु

एम०ए० : द्वितीय वर्ष : हिन्दी (भाषा और साहित्य)

चतुर्थ सेमेस्टर : चतुर्थ प्रश्नपत्र : मौखिक

सत्र 2018-19 की परीक्षा और उससे आगे

पूर्णांक : 100 अंक

प्रश्नपत्र का स्वरूप

नोटः

एम० ए० प्रथम वर्ष एवं एम० ए० द्वितीय वर्ष के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) से मौखिक प्रश्न किए जायेंगे।